स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश

नगर की खबर
नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश
2023

स्वच्छता टाइम्स

अंक 8 दिनांक: 15 मार्च 2023

18 लिगेसी वेस्ट साइट्स का हुआ सफाया

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत प्रदेश के 18 नगरीय निकायों को लम्बे समय से सड़ रहे पुराने कचरे (लिगेसी वेस्ट) से निजात मिल गई है। इन नगरीय निकायों की लिगेसी वेस्ट साइट्स से 25 लाख टन कूड़े का वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित किया गया है। राज्य मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि प्रदेश की 18 निकायों द्वारा लिगेसी वेस्ट का निस्तारण करते हुए मूल्यवान भूमि कूड़े से मुक्त करते हुए अन्य कार्यों में प्रयोग की जा रही है।

नगर पालिका बरुआसागर द्वारा लिगेसी वेस्ट से मुक्त भूमि का उपयोग एमआरएफ के निर्माण एवं शौचालय का निर्माण में किया गया है। शेष निकायों द्वारा लिगेसी मुक्त करते हुए बागवानी व पौध रोपण के कार्य के साथ तारों से ऐसी जगहों की फेंसिंग कराई गई है। इसी तरह, नगर पालिका परिषद मिर्जापुर में 8803 टन लिगेसी वेस्ट का निस्तारण किया गया है। यहां कूड़े के ढेर के स्थान पर अब एमआरएफ सेंटर के साथ ही गीले कूड़े के निस्तारण के लिए कम्पोस्ट पिट बनाए जा रहे हैं। नगर निगम गाजियाबाद ने इंदिरापुरम में डेढ़ लाख मैट्रिक टन कचरे का निस्तारण कर आठ एकड़ भूमि को कचरा मुक्त किया है। इस स्थान पर मिट्टी डालकर इसे समतल किया गया। अब, नगर निगम की टीम द्वारा मियावकी तकनीकी से जंगल विकसित किया जा रहा है। यहां करीब 50 प्रजातियों के 50 हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इसी तरह, नगर निगम मेरठ द्वारा तीन लाख टन के लिगेसी वेस्ट का निस्तारण सुनिश्चित किया गया है। यहां करीब 45 एकड़ भूमि को साफ किया गया। अब यहां भी मियावकी तकनीक से जंगल विकसित किया जा रहा है। अन्य नगरीय निकायों में भी इन बदबूदार कूड़े के पहाड़ों को खत्म कर इन स्थानों पर अब पार्क, बच्चों के खेलने के मैदान समेत दूसरी जनउपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नगर निगम मेरठ द्वारा तीन लाख टन लिगेसी वेस्ट का निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

इन निकायों में खत्म हुए कूड़े के पहाड़

नगर पालिका परिषद अनूपशहर, नगर पालिका परिषद महोबा, नगर पालिका परिषद बरुआसागर, नगर निगम शाहजहांपुर, नगर निगम मेरठ, नगर पालिका परिषद मिर्जापुर, नगर पालिका परिषद पीलीभीत, नगर पालिका परिषद रायबरेली, नगर निगम गाजियाबाद, नगर पालिका परिषद एटा, नगर निगम आगरा, नगर पालिका परिषद बड़ौत, नगर पालिका परिषद गाजीपुर, नगर पालिका परिषद सहारनपुर, नगर निगम वाराणसी, नगर पंचायत कछौना पतसेनी, नगर पालिका परिषद साँडी, नगर पालिका परिषद शाहाबाद।

नौ लाख टन से ज्यादा कूड़े के निस्तारण को मंजूरी

प्रदेश के सात नगरीय निकायों में एसबीएम 1.0 के तहत गाजियाबाद, अलीगढ़, अयोध्या, जौनपुर, सुल्तानपुर, दादरी व ठाकुरद्वारा में विद्यमान 9,31,019 टन लिगेसी वेस्ट के निस्तारण हेतु 4603.93 लाख रुपये के प्रस्ताव के डीपीआर को अनुमोदन प्रदान किया गया। मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) 1.0 की 13वीं एवं 2.0 की तृतीय राज्य स्तरीय उच्चाधिकार समिति की बैठक में इसे मंजूरी दी गई है।

अंदर पढ़ें

1 स्वच्छता में सहभागी महिलाओं को मिलेगा 'नवदेवी' सम्मान पेज : 2

2 नगर निगम झांसी के प्रयासों से बदल रही शहर की तस्वीर पेज : 4

3 अब सभी निकायों में चलेगा 'थूकना मना है' अभियान पेज : 6

4 हुई दूर दुर्गंध, चहुंओर अब फैल रही स्वच्छता की सुगंध पेज : 7

5 गाय के गोबर से हो रहा अगरबत्ती और लोबान कप का निर्माण पेज : 8

श्री ए0 के0 शर्मा
माननीय नगर विकास मंत्री

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नगर विकास विभाग बदलाव को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर प्रयासरत है। शहरी जन-जीवन में आमजन गुणात्मक परिवर्तन महसूस कर रहे हैं। यह हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है। सफाई मित्रों के प्रयासों से नगरीय क्षेत्र में साफ-सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। गंदगी से पटे रहने वाले स्थानों पर अब स्वच्छता की सुंगध आ रही है। आमजन स्वच्छता को लेकर जागरुक हो रहे हैं। डोर टू डोर कलेक्शन के बाद कचरे के समुचित निस्तारण की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह सब कचरे के अलग-अलग एकत्रीकरण से संभव हो सका है। अब हमें नगरीय सौंदर्य को स्थाई बनाने की दिशा में काम करना है। इसके लिए स्वच्छता के प्रति आमजन को अभी और जागरुक करना होगा। मुझे विश्वास है समुचित जनसहभागिता से नगरीय सौंदर्य के मामले में उत्तर प्रदेश नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

प्रदेश भर में वार्ड स्तर पर 40 हजार महिलाओं का किया सम्मान

लखनऊ। कचरे के समुचित उठान व निस्तारण को लेकर शुरू किए गए '10तक डोर टू डोर' अभियान के अंतर्गत अपने घरों में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र करने वाली प्रदेश की 40 हजार महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। निदेशक स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि सम्मानित होने वाली महिलाओं का चयन स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति द्वारा किया गया है। इन महिलाओं ने 10तक डोर टू डोर अभियान के तहत वार्ड स्तर पर सक्रिय सहभागिता निभाते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बताया कि घरों से निकलने वाले कचरे के पृथक्कीकरण में महिलाओं की भूमिका बेहद अहम है। जिसके मद्देनजर महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण पर दिन पर दिन बढ़ रहे कचरे के बोझ को कम करने के लिए हमारा जोर कचरे के समुचित निस्तारण पर है, लेकिन इसके लिए समाज के प्रत्येक नागरिक को भी आगे आना होगा। कहा कि घरों से निकलने वाले कचरे के सोर्स सेग्रीगेशन में महिलाएं सहायक साबित हो रही हैं। महिलाओं द्वारा गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग कूड़ेदान में एकत्र करने से

उसका निस्तारण भी आसानी से संभव हो रहा है। बताया कि रसोई से निकलने वाले गीले कचरे का प्रयोग होम कंपोस्टिंग द्वारा खाद के रूप में कर सकते हैं। गौरतलब है कि गीला एवं सूखा कचरा की प्रातः काल 10 बजे तक उठान सुनिश्चित करने के लिए एक फरवरी को 10तक डोर टू डोर अभियान की शुरुआत की गई थी। इस अभियान के तहत आमजन को घरों में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र करने के प्रति जागरुक किया गया। साथ ही इस अभियान में सक्रिय जन सहभागिता निभाने वाली महिलाओं को सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। 31 मार्च तक चलने वाला यह अभियान तीन चरणों में सम्पन्न होगा। पहला चरण प्रार्थना, दूसरा सहमत तथा तीसरे चरण के तहत जुर्माने की कार्रवाई की जानी थी।

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर | स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 | G20 भारत 2023 INDIA

नगर की खबर

श्री राकेश राठौर 'गुरू'
माननीय नगर विकास राज्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं आदरणीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में नगरीय सुविधाओं के मामले में उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के साफ-सुथरे गली मोहल्ले स्वच्छता के प्रति नगर विकास विभाग के अडिग इरादों की गवाही दे रहे हैं। हम उत्तर प्रदेश के नगरीय परिवेश को वैश्विक मापदंडों के अनुरूप बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। सुलभ नगरीय सुविधाओं के साथ-साथ हमारा प्रयास तेजी से कचरा निस्तारण पर है।

श्री अमृत अभिजात
प्रमुख सचिव नगर विकास

नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश के नगरीय परिवेश में गुणात्मक परिवर्तन की इबारत लिखने की ओर तेजी से अग्रसर है। नगरीय सुविधाएं आमजन तक आसानी से पहुंच रही हैं। नगरीय सुंदरता के मामले में उत्तर प्रदेश नए आयाम स्थापित कर रहा है। आमजन में कचरा निस्तारण के साथ-साथ पर्यावरण रक्षा की भावना प्रबल हो रही है। हमारा प्रयास जन सहभागिता से उत्तर प्रदेश को कचरा मुक्त प्रदेश बनाना है और हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

स्वच्छता में सहभागी महिलाओं को मिलेगा 'नवदेवी' सम्मान

स्वच्छता कार्य में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए 30 मार्च तक मनाया जाएगा 'स्वच्छोत्सव-2023': श्रीमती नेहा शर्मा

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश ने नवरात्री के अवसर पर स्वच्छता में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को मजबूत करने व बढ़ाने के लिए नारी शक्ति को नवदेवी सम्मान से नवाजने का फैसला लिया है। यह सम्मान जिला, मंडल एवं राज्य स्तर पर दिया जाएगा। राज्य मिशन निदेशक, श्रीमती नेहा शर्मा ने इस संबंध में सभी नगरीय निकायों को आदेश जारी कर दिए हैं।

निदेशक श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि 30 मार्च तक 'स्वच्छोत्सव 2023' अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत स्वच्छता कार्य में महिलाओं की भागदारी बढ़ाने एवं उनमें उत्साह का संचार करने के लिए उन्हें नवदेवी सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। नवरात्रि के नौ स्वरूपों के आधार पर महिलाओं को नौ श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा।

नवरात्रि के नौ स्वरूपों के अनुसार महिलाओं को नौ श्रेणियों में किया गया जाएगा सम्मानित

निदेशक ने बताया कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में स्थायी स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रत्येक श्रेणी की तीन-तीन महिलाओं को जिला स्तर पर 20 मार्च तक नवदेवी सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। दूसरे स्तर पर इन्हीं चयनित महिलाओं में से प्रत्येक श्रेणी की 2-2 महिलाओं को 25 मार्च तक मंडल स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। 30 मार्च तक स्वच्छता कार्य में अति उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रत्येक श्रेणी की 1-1 महिला को राज्य स्तर पर सम्मानित करने का फैसला लिया गया है।

महिलाओं को भूमिका के अनुसार इन श्रेणियों में किया गया विभाजित

1. पहला दिन (मां शैलपुत्री) : स्वयं सहायता समूह (SHG)– महिलाओं का ऐसा समूह जिसने स्वच्छता के क्षेत्र में स्वंय भी उल्लेखनीय कार्य किया हो और दूसरों को भी प्रेरित किया हो।
2. दूसरा दिन (मां ब्रह्मचारिणी) : वेस्ट टू वेल्थ (Waste to wealth)- महिला द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं से ऐसी वस्तु बनाई जा रही हो जिससे स्वंय भी आमदनी की जा रही हो और दूसरों को भी प्रेरित अथवा सहयोग किया जा रहा हो।
3. तीसरा दिन (मां चन्द्रघंटा) : अपशिष्ट प्रबंधन में उद्यमी (Entrepreneur in waste management) अपशिष्ट प्रबंधन को एक उद्योग के रूप में तैयार किया हो, जिससे लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ हो।
4. चौथा दिन (मां कुष्मांडा) : सफाई मित्र (Safai Mitra) सफाई मित्र के रूप में जिसने सराहनीय कार्य किया हो।
5. पांचवां दिन (मां स्कंदमाता) : मास्टर ट्रेनर (Master trainers) स्वच्छता के क्षेत्र में मास्टर ट्रेनर के रूप में लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्रशिक्षण दिया हो।
6. छठा दिन (मां कात्यायनी) : नवाचार (Innovations) स्वच्छता के क्षेत्र में महिला द्वारा कोई नवाचार किया गया हो।
7. सातवां दिन (मां कालरात्रि) : सामुदायिक खाद (Community Composting) ऐसी महिला जिसने सामुदायिक खाद बनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया हो।
8. आठवां दिन (मां महागौरी) : निकाय की स्थिति में परिवर्तन (Transformation of ULB/Space) महिला के प्रयासों से निकाय की स्थिति में परिवर्तन आया हो। यथा निकायों का सौन्दर्यीकरण, साफ-सफाई, स्वच्छता के कार्यों में जन सहभागिता को बढ़ाना और उसकी ओनरशिप लेना।
9. नवां दिन (मां सिद्धिदात्री) : सामुदायिक जागरूकता (Community Awareness) - महिला द्वारा समुदाय को स्वच्छता (3 R- Reduce, Reuse and Recycle, SUP) के संदर्भ में जागरूक किया जा रहा हो।

22 नगर निकायों में बनेंगे कान्हा गौशाला एवं पशु शेल्टर होम्स

विभाग की ओर से सात करोड़ सत्तर लाख रुपए की पहली किस्त जारी

लखनऊ। प्रदेश के 22 नगरीय निकायों में कान्हा गौशाला एवं पशु शेल्टर होम्स बनाने के लिए नगर विकास विभाग की ओर से सात करोड़ सत्तर लाख रुपये की पहली किश्त जारी कर दी गई है। संयुक्त सचिव श्री कल्याण बनर्जी की ओर से इसके संबंध में सूचना प्रेषित की गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजनान्तर्गत निर्धारित मॉडल कार्ययोजना के अनुसार कान्हा गौशाला एवं पशु शेल्टर होम्स का निर्माण किए जाने के लिए 22 नगर निकायों के लिए कुल रू. 3957.04 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त है। इसके साथ रू. 770 लाख की धनराशि प्रथम किश्त के रूप में जारी की गई है। इस योजना से लाभान्वित होने वाले नगरीय निकायों में नगर निगम प्रयागराज, नगर निगम झांसी, नगर पंचायत मोठ, नगर पंचायत दोस्तपुर, नगर पंचायत महरौनी, नगर पालिका परिषद अकबरपुर, नगर पंचायत कोहंडौर, नगर पंचायत लालगंज, नगर पंचायत हस्तिनापुर, नगर पालिक परिषद मवाना, नगर पंचायत सिवालखास, नगर पंचायत लावड़, नगर पंचायत खिवाई, नगर पंचायत खरखौदा, नगर पालिक परिषद कासगंज, नगर पालिक परिषद अनूपशहर, नगर पंचायत कुवरगांव, नगर पालिका परिषद बांगरमऊ, नगर पंचायत कुरसठ, नगर पालिका परिषद मारहरा और नगर पंचायत भारतभारी शामिल हैं।

दाह संस्कार के लिए करें गोकाष्ठ का प्रयोग

लखनऊ। नगरीय निकायों में अन्त्येष्टि स्थलों पर दाह संस्कार के लिए लकड़ी के स्थान पर गोकाष्ठ का प्रयोग किए जाने की कवायद शुरू की गई है। विशेष सचिव नगर विकास डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की ओर से इस संबंध में समस्त नगर आयुक्त, अधिकासी अधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। इस पत्र में अवगत कराया गया है कि कोविड काल के दौरान बहुत सारे गौशालाओं द्वारा दाह संस्कार के लिए गोकाष्ठ की आपूर्ति अन्त्येष्टि स्थलों पर की गई है। कई गौशालाओं द्वारा स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु गोबर से फ्यूल बनाने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे में अपेक्षा की गई है कि अन्त्येष्टि स्थलों पर दाह संस्कार के लिए लकड़ी के स्थान पर गोकाष्ठ का प्रयोग करें। इससे, पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ गौशालाओं को भी आत्मनिर्भर बनाया जा सकेगा।

एसबीएम 1.0 के तहत चार नगरीय निकायों में स्थापित होंगे वेट वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट

7 नगरीय निकायों में विद्यमान 9,31,019 टन लिगेसी वेस्ट के निस्तारण हेतु 4603.93 लाख रूपये के प्रस्ताव के डीपीआर का अनुमोदन

लखनऊ। मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) 1.0 की 13वीं एवं 2.0 की तृतीय राज्य स्तरीय उच्चाधिकार समिति की बैठक छह मार्च को आयोजित हुई। बैठक में एसबीएम 1.0 के तहत 4 नगरीय निकायों में सेग्रिगेडेट वेट वेस्ट प्रोसेसिंग प्लान्ट अधिष्ठापन को अनुमोदन प्रदान किया गया है। यह प्रोसेसिंग प्लाण्ट 3327.29 लाख रूपये की लागत से नगर पालिका परिषद पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर (चन्दौली), मंझनपुर (कौशाम्बी), शिकोहाबाद (फिरोजाबाद) एवं बेल्हा प्रतापगढ (प्रतापगढ़) में 50-50 टी0पी0डी0 क्षमता के स्थापित किये जायेंगे। प्लाण्ट का संचालन निकायों द्वारा पी.पी.पी. मॉडल पर कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त एसबीएम 1.0 के तहत सात नगरीय निकायों- गाजियाबाद, अलीगढ़, अयोध्या, जौनपुर, सुल्तानपुर, दादरी व ठाकुरद्वारा में विद्यमान 9,31,019 टन लिगेसी वेस्ट के निस्तारण

हेतु 4603.93 लाख रूपये के प्रस्ताव के डीपीआर का अनुमोदन प्रदान किया गया। इसके अलावा एसबीएम 2.0 के अन्तर्गत 160 नगरीय निकायों में 3118.30 करोड़ रूपये लागत का सिटी सेनिटेशन एक्शन प्लान को अनुमोदित किया गया। इसके अलावा बैठक में कैपेसिटी बिल्डिंग एंड ए.एंडओ.ई. एक्शन प्लान को भी अनुमोदन प्रदान किया गया। इसके

762 नगरीय निकायों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग एंड ए.एंडओ.ई. एक्शन प्लान का भी अनुमोदन

160 नगरीय निकायों का सिटी सेनिटेशन एक्शन प्लान अनुमोदित

अन्तर्गत 762 नगरीय निकायों (यूएलबीज्) के चिन्हित स्टेकहोल्डर्स को कैपिसिटी बिल्डिंग एवं कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात, सचिव नगर विकास श्री रंजन कुमार उपस्थित थे तथा बैठक में निदेशक स्थानीय निकाय सुश्री नेहा शर्मा सहित सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर | स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 | G20 भारत 2023 INDIA

नगर की खबर

संपादक की कलम से

श्रीमती नेहा शर्मा
निदेशक, स्थानीय निकाय

नगर विकास विभाग प्रदेश के संपूर्ण नगरीय क्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वच्छता संबंधी अभियानों के माध्यम से विभाग द्वारा जन जागरूकता सुनिश्चित की जा रही है। इन अभियानों में ज्यादा-ज्यादा आमजन की सहभागिता पर हमारा जोर है। स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने में आमजन की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। हम कचरे के समयबद्ध कलेक्शन एवं निस्तारण की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश के संपूर्ण नगरीय क्षेत्र में घर-घर कचरा उठान सुनिश्चित की जा रही है। महिलाओं को अपने घरों में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। स्वच्छता कार्य में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए हमारे द्वारा उन्हें प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। एक ओर 10तक डोर टू डोर अभियान के तहत प्रत्येक वार्ड में घरों में सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग एकत्र करने वाली तीन-तीन महिलाओं को सम्मानित किया जा रहा है। वहीं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को जिला, मंडल एवं राज्य स्तर पर नवदेवी सम्मान से सम्मानित करने की तैयारी है। नवदेवी सम्मान के तहत महिलाओं की भूमिका को देवी के नौ स्वरूप के अनुसार विभाजित किया गया है। इस तरह के प्रयासों से महिलाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। अधिक से अधिक महिलाएं स्वच्छता कार्य में सहभागी बनने के लिए प्रेरित होंगी।

लखनऊ को स्वच्छ व सुन्दर बनाने का लिया संकल्प

लखनऊ। लखनऊ स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के संयोजक सुनील मिश्रा की अध्यक्षता में एक मार्च को नगर निगम मुख्यालय में स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन संचालन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें वार्डों की समितियों को पुनर्गठित कर दुरुस्त करने, जागरूकता अभियान चलाने व आगे होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। बैठक में पूर्व महापौर सुरेश अवस्थी, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री प्रकाश मिश्रा,अपर नगर आयुक्त अभय पांडे, नगर स्वास्थ अधिकारी डॉ सुनील कुमार रावत, पूर्व उपाध्यक्ष नगर निगम रजनीश गुप्ता, प्रदीप शुक्ला, अंजनी कुमार श्रीवास्तव, राजधानी बैंक के पूर्व अध्यक्ष मान सिंह, वरिष्ठ पार्षद मुन्ना मिश्रा, अनुराग मिश्रा, अन्नू,प्रमोद सिंह राजन, राम कृष्ण यादव,राजेश सिंह गब्बर,कुमकुम राजपूत, रानी कन्नौजिया, दिलीप श्रीवास्तव, संतोष राय,राघव राम तिवारी सहित समिति के वरिष्ठ सदस्य व सभी जोनों के जोनल अधिकारी, सफाई निरीक्षक उपस्थित रहे।

'10तक डोर टू डोर': गंदगी फैलाने वालों पर लगने लगा जुर्माना

गाजियाबाद : नगर निगम कर्मी जुर्माने की कार्रवाई करते हुए।

जालौन : गंदगी फैलाने पर जुर्माने की कार्रवाई करते निकाय कर्मी।

लखनऊ। 10तक डोर टू डोर अभियान के तीसरे चरण के तहत प्रदेश भर में गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग न एकत्र करने वालों से जुर्माना वसूले जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नगर निगम गाजियाबाद समेत प्रदेश के सभी निकायों में गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती बरती जा रही है। निदेशक स्थानीय निकाय, श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि इस अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत चार मार्च से हो चुकी है। इसके तहत अपने घरों कचरे का पृथक्कीकरण न करने एवं गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला जा रहा है। 50 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक के जुर्माना लिए जाने की व्यवस्था की गई है।

50 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक का जुर्माना वसूलने की है व्यवस्था

गौरतलब है कि स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश द्वारा बीती एक फरवरी से प्रदेश भर में 100 प्रतिशत डोर-टू-डोर कलेक्शन और कूड़ा पृथक्कीकरण सुनिश्चित करने के लिए '10तक डोर टू डोर' अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के तीन चरण हैं। पहला चरण प्रार्थना, दूसरा सहमत तथा तीसरा और अन्तिम चरण के तहत जुर्माने की कार्रवाई की जानी थी।

सम्मान पाकर महिलाओं के चेहरे पर खिल उठी मुस्कान

लखनऊ। 10तक डोर टू डोर अभियान के तहत वार्ड स्तर पर सम्मानित होने वाली महिलाओं के चेहरे पर प्रशस्ति पत्र हाथ में आते ही मुस्कान खिल उठी। महिलाओं का कहना है कि स्वच्छता उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। साफ-सफाई को लेकर वे पहले भी सजग रहती थीं, लेकिन सम्मान मिलने के बाद अब उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। कहा कि अब वे गीले व सूखे कचरे को घरों में अलग-अलग एकत्र करने के लिए दूसरों को भी जागरूक करेंगी। साथ ही रसोई घर से निकलने वाले गीले कचरे से खाद बनाने के तरीके से भी दूसरी महिलाओं को रूबरू कराएंगी।

नगर पंचायत लालगंज प्रतापगढ़ में महिलाओं का सम्मान किया गया।

नगर पालिका परिषद मउरानीपुर (झाँसी) द्वारा महिलाओं को सम्मानित किया गया।

नगर पंचायत सिरसी (संभल) में सम्मानित महिलाएं।

नगर पालिका परिषद मिर्जापुर के अधिशासी अधिकारी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए

नगर पंचायत सहसपुर (बिजनौर) द्वारा महिलाओं को सम्मानित किया गया।

नगर पंचायत रामकोला के अधिशासी अधिकारी द्वारा महिलाओं को सम्मानित किया गया

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर | स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 | G20 भारत 2023 INDIA

नगर की खबर

नगर निगम झांसी के प्रयासों से बदल रही शहर की तस्वीर

एक साथ 10 सेल्फी प्वाइंट का शुभारम्भ किया गया

झांसी। नगर निगम झांसी के प्रयासों से झांसी शहर लगातार स्मार्ट होता जा रहा है। शहर की बदलती सूरत लोगों को आकर्षित भी कर रही है। जहां कुछ स्थानों से गुजरने से पहले लोग अपनी नाक बांध लिया करते थे, अब उन्हीं स्थानों पर सेल्फी लेने के लिए जाते हैं। दरअसल नगर निगम और बेकार को आकार संस्था ने मिलकर झांसी के शहर के कई स्थानों पर यह सेल्फी प्वाइंट बनाए हैं। सीपरी बाजार, बड़ागांव गेट, जीवनशाह तिराहा, चित्रा चौराहा जैसे कई अन्य स्थनों पर बने कूड़ा घरों को सेल्फी प्वाइंट में तब्दील कर दिया गया है। बीते दिनों एक साथ 10 सेल्फी प्वाइंट्स का शुभारंभ किया गया। पुराने बेकार पड़े टायरों तथा अन्य कबाड़ की चीजों का इस्तेमाल कर इन सभी सेल्फी पॉइंट्स को बनाया गया है। स्थानीय कलाकारों द्वारा इस पूरे काम को अंजाम दिया गया है। सेल्फी प्वाइंट को बनाने वाली नीलम सारंगी ने बताया कि नगर आयुक्त द्वारा कूड़ा प्रबंधन पर काम करने के लिए कहा गया था। इसके बाद नगर निगम ने ऐसे स्थानों को स्वच्छ किया जहां लोग खुले में कूड़ा डाल जाते थे। नगर निगम के सहयोग से सभी स्थानों पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए गए। अब लोग यहां बड़ी संख्या में सेल्फी लेने के लिए आते हैं। इन सभी सेल्फी प्वाइंट को बनाने के लिए शहर के लोगों की मदद से कबाड़ एकत्रित किया गया। शहर में अन्य जगहों पर भी ऐसे सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। नगर आयुक्त ने बताया कि पर्यावरण पर कचरे का बोझ बढ़ाने वाली वस्तुओं का पुनः उपयोग कर आमजन को रीयूज के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

कबाड़ से जुगाड़ पद्धति का प्रयोग कर नगर निगम बरेली ने गांधी उद्यान को बनाया आकर्षक

पुराने टायरों व अन्य निस्प्रयोज्य वस्तुओं से बनी आकृतियां बढ़ा रहीं शहर की शोभा

बरेली। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय, उत्तर प्रदेश के तहत बरेली नगर निगम ने कबाड़ से जुगाड़ पद्धति का प्रयोग करते हुए रीसाइकिल (पुन: उपयोग) का नायाब उदाहरण प्रस्तुत किया। नगर निगम ने यह आकर्षक आकृतियां पुराने टायर, टीन, पोल पाइप आदि का प्रयोग कर बनाई हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इसे 'वेस्ट टू वंडर' नाम दिया गया है। नगर निगम द्वारा शहर के सबसे बड़े गांधी उद्यान के प्रवेश द्वारा में पुराने टायरों से बनी मछली की आकृति आमजन का मन मोह रही है। यहां आने वाले लोग इन आकर्षक आकृतियों के साथ सेल्फी लेने से खुद को रोक नहीं पाते। इतना ही नहीं नगर निगम द्वारा उद्यान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आकृति लगाई जाएगी जिसे दिल्ली व बिहार से आई विशेषज्ञों की टीम तैयार कर रही है। स्वच्छ भारत मिशन के प्रभारी राकेश कुमार यादव ने बताया कि

स्वच्छ भारत मिशन के तहत कबाड़ से जुगाड़ पद्धति अपनाकर अब तक मोर, सेल्फी प्वाइंट व फोटो फ्रेम इत्यादि तैयार किए गए हैं। अब फिश एक्वेरियम भी बनाया जा रहा है। जिसमें पुराने टायरों के माध्यम से मछली का आकार दिया जाएगा। साथ ही पुरानी टीन की चादर पर पानी की लहरे उकेरी गई हैं। इसे तैयार करने के बाद पार्क में लगाया जाएगा।

कबाड़ से जुगाड़ कर बना चरखा बढ़ा रहा नगरीय शोभा

नगर निगम मेरठ द्वारा लोहे के पुराने रिम का प्रयोग कर आकर्षक चरखे का रूप दिया गया। निगम द्वारा इस चरखे को जेल चुंगी चौराहे पर स्थापित किया गया है जो आमजन को आकर्षित करने के साथ-साथ नगरीय शोभा भी बढ़ा रहा है।

सीतापुर : एफआरएफ सेंटर से होगी राजस्व की प्राप्ति

सीतापुर। नगर पालिका परिषद सीतापुर द्वारा वार्ड नं 25 के मोहल्ला कोर्ट में पांच मीट्रिक टन क्षमता वाले एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर की शुरूआत की गई है। इस एमआएफ सेंटर पर पांच कर्मियों द्वारा कचरे का पृथक्कीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। अधिषासी अधिकारी ने बताया कि एमआएफ सेंटर का संचालन छह माह से किया जा रहा है। पूर्व में पृथक्कीकरण से प्राप्त सामग्री को प्रोत्साहन स्वरूप कर्मचारियों को दिया गया। अब एमआरएफ सेंटर से सामग्री को विक्रय कर राजस्व बढ़ाने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि एमआरएफ सेंटर में कूड़े छंटाई के निस्तारित हो सकने वाले कचरे का निस्तारण कर दिया जाता है तथा पुन:उपयोग में आने वाली वस्तुओं को अलग भंडारित कर लिया जाता है। जिसके विक्रय से नगर पालिका को राजस्व की प्राप्ति होगी।

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर | स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 | G20 भारत 2023 INDIA

नगर की खबर

होम कंपोस्टिंग से गीले कचरे का अपने घरों में करें निस्तारण

निदेशक स्थानीय निकाय, श्रीमती नेहा शर्मा ने पुलिस लाइन स्थित कम्पोस्ट प्रोसेसिंग साइट का किया निरीक्षण

लखनऊ। निदेशक स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने एक मार्च को लखनऊ के पुलिस लाइन स्थित कम्पोस्ट प्रोसेसिंग साइट का निरीक्षण किया। निदेशक ने घरों से कूड़ा कलेक्शन को लेकर अपनाई जा रही प्रक्रिया की जानकारी ली। पुलिस लाइन में रहने वाले करीब 200 घरों से ठोस एवं तरल संसाधन प्रबन्धन परियोजना के अन्तर्गत गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करके लिया जा रहा है। यहां कूड़े का प्राकृतिक रूप से निस्तारण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इसको लेकर निदेशक श्रीमती नेहा शर्मा ने संतोष व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बात भी की। उन्होंने प्राकृतिक तरीके से कंपोस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय लोगों को जागरूक किया। साथ ही, स्थानीय लोगों से वार्ता करते हुए कहा कि गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग कूड़ेदान में डालने की अपील की। निदेशक नगरीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने कहा कि कूड़े के वैज्ञानिक रूप से निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए घरों में ही पृथक्कीकरण आवश्यक है। इसको लेकर जागरूक करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत

01 फरवरी से 31 मार्च तक 10तक डोर टू डोर अभियान चलाया जा रहा है। पहले चरण में प्रार्थना, दूसरे चरण में सहमत के बाद अब तीसरे चरण में यह अभियान प्रवेश कर रहा है। तीसरे चरण में आगामी 04 मार्च से 10तक डोर-टू-डोर अभियान के तहत कूड़ा पृथक्कीकरण सुनिश्चित न करने पर चालान की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कूड़ा पृथक्कीकरण सुनिश्चित करने में घरों की महिलाओं की भूमिका अहम है। 10तक डोर टू डोर अभियान के अन्तर्गत वार्ड स्तर पर पूर्ण सहभागिता देकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 3 महिलाओं को निकाय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इनका चयन स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के माध्यम से किया जाएगा। बता दें, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश के द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अन्तर्गत वेट वेस्ट के निस्तारण के संबंध में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 27 फरवरी से 1 मार्च तक नगरीय निकाय निदेशालय के सभागार में किया गया। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इम्पैनल संस्था इंडियन ग्रीन सर्विसेज, इंडिया के विशेषज्ञ श्री सी. श्रीनिवासन द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला के तीसरे दिन बुधवार को व्यावहारिक प्रदर्शन के लिए स्थानीय कम्पोस्ट प्रोसेसिंग साइट का दौरा किया गया। इस कार्यशाला में 25 निकायों से प्रतिभागी प्रशिक्षण के लिए प्रतिभाग करने पहुंचे। इस अवसर पर निदेशक स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा, उप निदेशक प्रशिक्षण, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) डॉ. सुनील कुमार यादव, विशेषज्ञ श्री सी. श्रीनिवासन डिविजनल प्रोग्राम मैनेजर श्री वैभव पाण्डेय समेत अन्य मौजूद रहे। दिन भर चले प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

स्वच्छता सर्वेक्षण : 7 रेटिंग एवं वाटर प्लस पर फोकस करें अधिकारी: नेहा शर्मा

गाजियाबाद। स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 के तहत इस बार गाजियाबाद में 7 रेटिंग एवं वाटर प्लस को लेकर सर्वेक्षण होगा। तीन मार्च को प्रताप विहार स्थित गंगाजल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट गेस्ट हाउस में नगर निकाय निदेशक एवं स्वच्छ भारत मिशन की डायरेक्टर नेहा शर्मा ने नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ व मेरठ नगर निगम के नगर आयुक्त डॉ. अमितपाल शर्मा एवं नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों के साथ बैठक की। नगर निकाय निदेशक नेहा शर्मा ने अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 के तहत केंद्र सरकार की टीम द्वारा इस बार 7 रेटिंग एवं वाटर प्लस को लेकर सर्वे किया जाएगा। इसलिए नगर निगम समेत निकायों में इस पर फोकस करते हुए तैयारियों को तेज किया जाए। इससे पूर्व नगर निकाय निदेशक नेहा शर्मा के गेस्ट हाउस में पहुंचने पर नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया।

नगर निकाय निदेशक ने स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर मुख्य बिंदुओं पर बैठक में चर्चा की। बैठक करने के बाद उन्होंने शहर में निरीक्षण भी किया। इस दौरान नगर आयुक्त डॉ.नितिन गौड़,मेरठ नगर निगम के नगर आयुक्त डॉ. अमितपाल शर्मा, अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव,नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार, उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज सिंह आदि अधिकारी उपस्थित रहे। नगर निगम द्वारा शहर में कराए जा रहे कार्यों की नगर आयुक्त ने नगर निकाय निदेशक नेहा शर्मा को जानकारी दी। निकाय निदेशक ने बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार 7 रेटिंग एवं वाटर प्लस के लिए कार्य किया जाना है। उन्होंने हापुड़ जनपद के पिलखुवा क्षेत्र के गांव गालंद की जमीन पर प्रस्तावित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

निदेशक ने कड़ी मेहनत के दिए निर्देश

नगर निकाय निदेशक नेहा शर्मा ने कहा गार्बेज फ्री सिटी में 7 रेटिंग एवं वाटर प्लस के लिए प्रयास करें। नगरीय निकाय निदेशक नेहा शर्मा को नगर आयुक्त ने अवगत कराया कि स्वच्छता सर्वेक्षण में 7 रेटिंग व वाटर प्लस के लिए अथक प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने ओर अधिक बेहतर कार्य करते हुए सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करने के निर्देश दिए। शहर को कूड़ा-कचरा मुक्त करने एवं गार्बेज फ्री सिटी बनाने में कार्य तेजी से कराए जाएं। स्वच्छ भारत मिशन की निदेशक द्वारा नगर निगम सभागार में यह बैठक ली जानी थी। लेकिन बाद में गंगाजल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के गेस्ट हाउस में बैठक की गई। उन्होंने कहा कि होली के बाद प्रदेश के सभी महानगरों, और नगर पालिका परिषद, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्र में सर्वेक्षण के लिए टीम आएगी। इस बार कई कंपोनेट में बदलाव किया गया है। पहले सर्वेक्षण 7500 अंकों का था। लेकिन इस बार 9500 अंकों का यह सर्वे होगा। इसमें करीब 4500 नंबर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन और उसके प्रोसेसिंग के होंगे।

बल्क वेस्ट जनरेटर को गीले कचरे से खाद बनाने के निर्देश

झांसी। नगर निगम सभागार में झाँसी नगर के विभिन्न स्कूली संस्थाओं, होटल/रेस्टोरेन्ट संचालकों एवं प्रबुद्ध नागरिकों के साथ नगर आयुक्त पुलकित गर्ग ने 14 मार्च को स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 को लेकर नगर निगम झाँसी द्वारा की जा रही तैयारियों के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से अवगत कराया और बल्क वेस्ट जनरेटर को कड़ी चेतावनी देते हुये निर्देशित किया कि संस्थानों से उत्सर्जित होने वाले गीले कचरें को कम्पोस्ट के रूप में परिवर्तित करने की कार्यवाही करे और झाँसी नगर को स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करें। कार्यशाला में विभिन्न स्कूली संस्थानों से यह अपील की गयी कि स्कूली बच्चों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करते हुये उनसे सूखा-गीला कचरा अलग-अलग रखने के लिये प्रत्येक घर में 02-02 डस्टबिन (हरी-नीली) रखने के लिये अपने अभिभावकों को बताये और स्वच्छता एवं पर्यावरण के प्रति एक जागरूक नागरिक की भूमिका का निर्वहन करें। विगत वर्षों में स्वच्छता सर्वेक्षण के विभिन्न पैरामीटर को पूर्ण करने के लिये नगर निगम द्वारा जो प्रयास किये जाते रहे है उनके सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की। नगर आयुक्त श्री पुलकित गर्ग ने आवाहन किया कि स्वच्छता के सम्बन्ध में जो भी नवीन टैक्नोलॉजी किसी भी व्यक्ति के पास हो अथवा कोई विचार हो तो नगर निगम झाँसी से जरूर साझा करें और उनके विचार अथवा उनकी टैक्नोलॉजी पर नगर निगम जरूर अग्रिम कार्यवाही करेगा।

नगर की खबर

अब सभी निकायों में चलेगा 'थूकना मना है' अभियान

निदेशक नगरीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने ऑटो रैली को दिखाई हरी झंडी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के नगरों के व्यवस्थापन को वैश्विक मापदंड के अनुरूप बनाये जाने के लिए नगरों को गुड-टू-ग्रेट बनाये जाने का प्रयास निरन्तर चल रहा है। इसी क्रम में स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के अंतर्गत राजधानी में स्वच्छता के उद्देश्य से सार्वजनिक स्थलों पर थूकने एवं गंदगी फैलाने से रोकथाम के लिए एक ऑटो रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का शुभारम्भ निदेशक, स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने एक मार्च को लगभग 100 ऑटो को हरी झण्डी दिखाकर किया। निदेशक महोदया ने इस अवसर पर कहा कि 'थूकना मना है' अभियान अभी आगरा एवं लखनऊ में प्रयोग के तौर पर शुरू किया गया था। अब यह अभियान प्रदेश के सभी निकायों में चलेगा। उन्होंने जनता से भी अपील की कि शहरों को स्वच्छ बनाने के इस अभियान में अपना सहयोग करें।

स्वच्छ भारत मिशन नगरीय एवं नगर निगम लखनऊ द्वारा जी-20 के अंतर्गत किए गए सौन्दर्यीकरण की निरन्तरता बनाये रखने के लिए एवं गंदगी को रोकने के लिए 'थूकना मना अभियान' 23 फरवरी, 2023 से 01 मार्च, 2023 तक चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत 01 मार्च को सार्वजनिक स्थलों पर थूकने एवं गंदगी फैलाने से रोकथाम के लिए ऑटो एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं चालको के साथ अभिमुखीकरण एवं परिचर्चा कार्यक्रम तथा जनजागरूकता हेतु ऑटो रैली का आयोजन चारबाग स्थित रविन्द्रालय से निदेशक, स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा जी द्वारा हरी झंडी दिखा कर किया गया। अभियान के अन्तर्गत ऑटो चालकों के माध्यम से यात्रियों को जागृत करने के लिए अपील की गयी। साथ ही इस बात से भी अवगत कराया गया कि नगर निगम व अन्य विभागों द्वारा इन्वेस्टर्स समिट के दौरान लखनऊ महानगर को खूब सजाया था। शहर की सुन्दरता व स्वच्छता को बरकरार रखने के लिए चलाए जा रहे 'पीकू न बनो' 'थूकना मना है' अभियान को आगे बढ़ाते हुए 100 ऑटो पर अभियान की ब्रांडिंग भी की गई है। अभियान में स्वच्छ भारत मिशन नगरीय की दिशा-निर्देशों के अनुरूप

साफ-सफाई, लिटर फ्री जोन बनाना, रेड एवं येलो स्पॉट बनाया जाना, ओपर यूरिनेशन की रोकथाम ज़ीरो टॉलरेंस के आधार पर किया जाना है। अभियान को सफल बनाये जाने के लिए उत्तर प्रदेश ठोस अपशिष्ट (प्रबंधन, संचालन एवं स्वच्छता) नियमावली, 2021 के विहित प्राविधानों के अनुरूप थूकना, पेशाब करना, मल त्यागने, कूड़ा कचना एकत्रित किए जाने पर जुर्माना की कार्यवाही सांकेतिक रूप से की गयी है। खुले में गंदगी करने पर मिस्टर पीकू का खिताब देकर हतोत्साहित किया गया है। अभियान के अंतर्गत नगर निगम लखनऊ द्वारा सांकेतिक रूप से अब तक कुल 330 चालान कर रू0 1,29,170 का जुर्माना किया गया है। अभियान अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर थूकने एवं गंदगी फैलाने से रोकथाम के लिए ऑटो एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं चालकों के साथ परिचर्चा कर शहर को साफ़ सुथरा बनाये रखने में सहयोग करने की भी अपील की गयी।

नगर निगम अलीगढ़ ने शहरवासियों को चार स्थानों पर दी फ्री स्मार्ट वाई-फाई की सौगात

अलीगढ़। नगर निगम अलीगढ़ स्मार्ट सिटी को धरातल पर साकार करने की ओर अग्रसर है। अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा महानगर के व्यस्ततम आवागमन के स्थान गांधी पार्क बस अड्डा, मसूदाबाद बस अड्डा व मलखान सिंह चिकित्सालय और गांधी आई हॉस्पिटल में आने वाले आमजन की सहूलियत के लिए फ्री वाईफाई की सुविधा शुरू हो गई है। नगर आयुक्त अमित आसेरी ने बताया कि अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा आधुनिकता के इस दौर में मेट्रो सिटी की भांति अलीगढ़ में 4 जगह फ्री

वाई-फाई की नागरिकों को सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अलीगढ़ के हाट ऑफ द सिटी सेंटर प्वाइंट अटल चौक को भी आने वाले दिनों में फ्री वाई-फाई की सुविधा से लैस बना दिया जाएगा। उन्होंने बताया फ्री वाईफाई जोन में नागरिकों को इंटरनेट संबंधी काम करने के लिए 30 मिनट फ्री वाईफाई उपलब्ध रहेगा नागरिक वाईफाई जोन में आकर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं आधा घंटे उपरांत यह स्वत: ही डिवाइस से लॉग आउट हो जाएगा। उन्होंने का कि अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड और नगर निगम अलीगढ़ शहर वासियों के सहयोग और विश्वास के बल पर अलीगढ़ में विकास और स्मार्ट योजनाओं को जमीनी रूप देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पान-मसाला थूकने पर सम्मानित कर किया शर्मिंदा

कन्नौज। नगर पालिका परिषद कन्नौज ने पान मसाला खाने के बाद इधर-उधर थूककर शहर को बदरंग करने वालों को सख्त सबक सिखाना शुरू कर दिया है। नगर पालिका ने सबसे पहले शुरूआत खुद से ही की है। नगर पालिका परिषद की ईओ नीलम चौधरी ने निकाय में कार्यरत कर्मी नाजिम व विपिन को पान-मसाला थूकते हुए सीसीटीवी के माध्यम से पकड़ा। जिसके बाद उन्होंने निकाय में कार्यरत सभी कर्मचारियों को एकत्र कर कार्यालय परिसर में साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। उन्होंने

नाजिम व विपिन को माला पहनाकर व फूल देकर मिस्टर पीकू खिताब से सम्मानित किया। साथ ही सख्त हिदायत भी दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इधर-उधर थूकने से शहर की सुंदरता खत्म होती है साथ दूसरों को परेशानी भी होती है। इसलिए ऐसा कदापि न करें।

बच्चों ने जानी सफाई व्यवस्था की बारीकियां

लखनऊ। स्मार्ट सिटी लखनऊ द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं को देखने के लिए स्टडी हॉल स्कूल के बच्चे स्मार्ट सिटी सभागार में एकत्रित हुए। इस दौरान कूड़े के प्रबंधन के साथ सूखा कूड़ा और गीला कूड़ा को कैसे पुनः उपयोग हेतु कैसे बनाया जा सकता है इसके बारे में जानकारी ली। स्कूली

बच्चों को घर-घर कूड़ा कलेक्शन से लेकर इसके निस्तारण एवं इसकी मानिटरिंग तक की प्रक्रिया से रूबरू कराया गया। इस दौरान इंद्रजीत सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने भी बच्चों को iccc, itms और रोड ट्रैफिक के कंट्रोलिंग के बारे में बताया। एसबीएम से शशांक पांडेय ने बताया कि कूड़े के प्रबंधन के माध्यम शहर को स्वच्छ बनाया जा सकता है। स्मार्ट सिटी की तरफ से पवन श्रीवास्तव ने बच्चों को iccc और itms के बारे में जानकारी दी। बच्चों ने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान शुभी श्रीवास्तव कंपनी सेक्रेटरी, ज्योति यादव, मोहन इत्यादि मौजूद रहे।

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर | स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 | G20 भारत 2023 INDIA

नगर की खबर

हुई दूर दुर्गंध, चहुंओर अब फैल रही स्वच्छता की सुगंध

स्वच्छ भारत मिशन (उत्तर प्रदेश) नगरीय के प्रयासों से प्रदेश में कूड़े के ढेर निरंतर साफ हो रहे हैं। सम्मिलित प्रयासों का नतीजा है कि 25 लाख टन कूड़ा साफ किया जा चुका है। स्वच्छ भारत मिशन (उत्तर प्रदेश) के इन प्रयासों से लाखों लोगों के जीवन में अब बदलाव आ रहा है। ऐसी ही एक तस्वीर नगर पालिका परिषद महोबा के बिलवई रोड स्थिति लीगेसी वेस्ट साइट गौरिया पहाड़ के नीचे बने डंपिंड यार्ड के साफ होने के बाद उभर कर सामने आई है। यहां के करीब 17 हजार टन पुराने कूड़े को साफ किया गया है। स्थानीय निवास सुरेश कुशवाहा कहते हैं कि बीते कई वर्षों से यहां नगर भर से कूड़ा इकट्ठा होता रहा है। यहां से आसपास के गांवों में लोगों का रहना भी दुभर हो गया था। बदबू के कारण यहां से कोई निकलना भी नहीं पसंद करता था। बरसात के समय तो हालत और भी खराब हो जाती थी लेकिन,अब स्थितियां बदल गई हैं। आसपास सफाई होने लगी है। सुना है अब यहां कूड़ा निस्तारण केन्द्र भी बन रहा है। सिर्फ महोबा ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई अन्य नगरीय निकायों में भी इसी तरह की तस्वीर उभर कर सामने आ रही है।

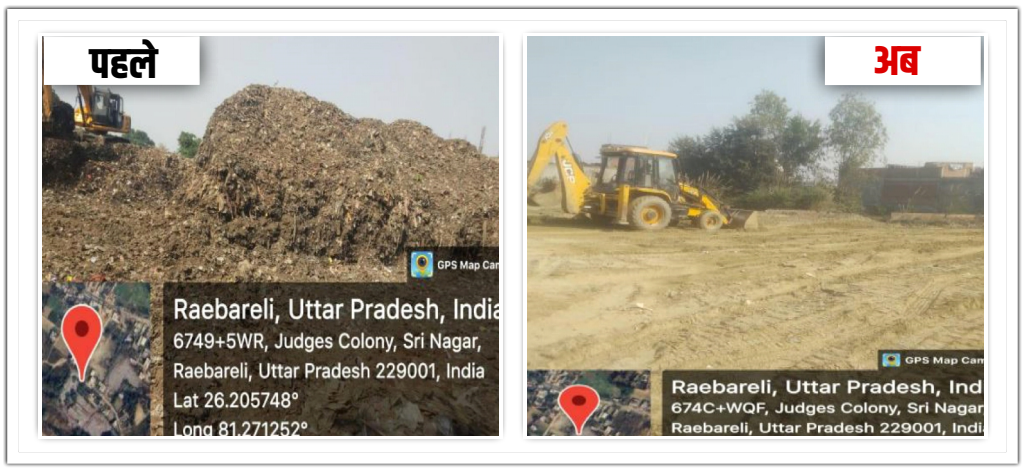

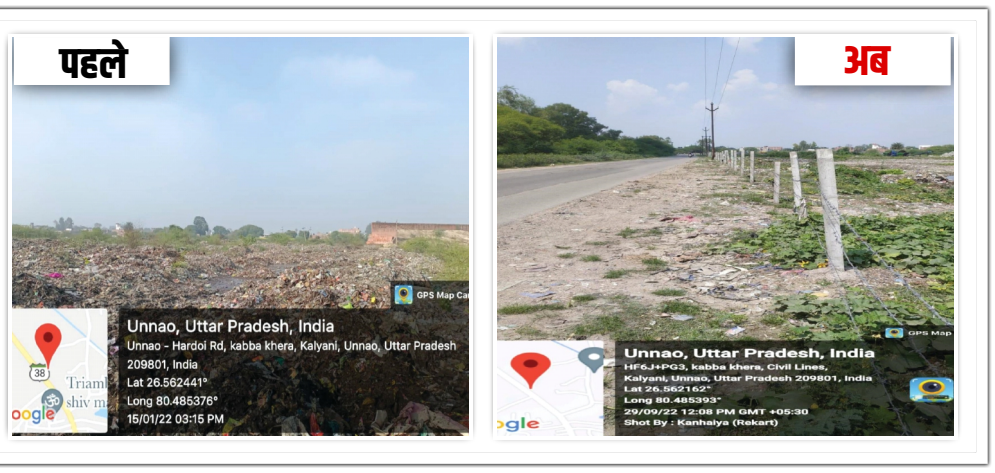

निदेशालय में पीएम गति शक्ति एनएमपी पोर्टल ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ। नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में पीएम गतिशक्ति एनएमपी पोर्टल ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरूआत 13 मार्च को की गई। पांच दिवसीय इस कार्यशाला में निकाय अधिकारी एवं कर्मचारियों को नगर विकास विभाग द्वारा चयनित तीन लेयर्स (वाटर सप्लाई, सीवर लाइन, ड्रेनेज) संबंधी डाटा की पोर्टल पर अपलोडिंग का प्रशिक्षण दिया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सचिव नगर विकास श्री रंजन कुमार ने कहा कि बुनियादी ढांचा क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में 'पीएम गति शक्ति' की भूमिका अहम है। कहा कि हम तकनीकी का प्रयोग करते हुए जन सुविधाओं को बेहतर कर सकते हैं। आमजन तक नगरीय सुविधाएं पहुंचाते वक्त हम आपसी समन्वय से सुविधाओं में तेजी व गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकते हैं। निदेशक स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने कहा कि 'पीएम गति शक्ति' कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री जी के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस कार्यक्रम के तहत 16 मंत्रालयों को डिजिटल माध्यम से कनेक्ट किया गया है। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को पीएम गति शक्ति पोर्टल पर डाटा अपलोडिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यह भी समझाया गया कि नेशनल मास्टर प्लान कैपिटल रिसोर्स डेवलपमेंट को कैसे सशक्त करेगा। पांच दिवसीय कार्यशाला के दौरान पोर्टल पर सावधानीपूर्वक डाटा फीड करने एवं फीड किए गए डाटा की जांच करने का तकनीकी प्रशिक्षण किया गया।

नगर की खबर

गाय के गोबर से हो रहा अगरबत्ती और लोबान कप का निर्माण

लोनी नगर पालिका में महिलाओं ने पेश की अद्भुत मिसाल

गाजियाबाद। ग्रामीण परिवेश को नजदीक से देखने वालों ने गांवों में मिट्टी के चूल्हों पर महिलाओं को भोजन तैयार करते देखा होगा। उस चूल्हे में ईंधन के रूप में इस्तेमाल होने वाले उपले जिस गोबर से बनते हैं, वही गोबर शहरों में वेस्ट में जाता रहा है। शहरों में गौशाला या डेयरी के आसपास तो नाले-नालियां जाम होने की समस्याएं तक उत्पन्न हो जाती हैं। मगर आपको जानकर हैरानी होगी कि उत्तर प्रदेश के लोनी इलाके में कुछ महिलाएं गोबर का महज निस्तारण ही नहीं, बल्कि उससे आय के साधन जुटाने के विकल्प भी खोजने में सफल रही हैं। यहां कृष्णा विहार कॉलोनी की स्थानीय महिलाओं द्वारा गाय के गोबर का इस्तेमाल कर अगरबत्ती और लोबान कप का निर्माण किया जा रहा है। इस अनोखे प्रयास की नींव रखने वाली भी लोनी नगर पालिका परिषद की एक महिला अधिकारी हैं।

निर्माताओं और लोनी नगर पालिका की इस संयुक्त पहल को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत चलाए जा रहे 'स्वच्छ टेक्नोलॉजी चैलेंज' के दौरान मंच मिला, जिनके प्रयोग को जमकर सराहना भी मिली। इस प्रक्रिया में दीये के रूप में बनने वाले 'लोबान कप' और धूपबत्ती की तरह दिखने वाली 'कोन शेप की अगरबत्तियों' की निर्माण सामग्री में पहले सामान्य अगरबत्तियों की तरह निर्माण में लकड़ियों का बुरादा, पिसा हुआ कोयला, सुगंधित जड़ी बूटियां, नीम की सूखी पत्तियां और सूखे फूल का पाउडर उपयोग में लाया जाता था। ज्वलनशील बनाने के लिए बहुत कम मात्रा में चारकोल, गंधक, पोटेशियम का इस्तेमाल होता था। अंत में इन अगरबत्तियों में सेंट का स्प्रे, गुग्गल और लोबान पाउडर की फिलिंग होती थी। वहीं अब गाय के गोबर को मिलाकर बनाए जा रहे उत्पाद में 30 से 35 प्रतिशत गोबर का सूखा पाउडर मिलाया जा रहा है, इनमें लकड़ी के बुरादे की मात्रा थोड़ी कम कर दी जाती है।

लोबान कप की बाजार में बढ़ रही मांग, गोबर के बदले नगर पालिका को हो रहा धन लाभ

लोबान कप को इस तरह तैयार किया गया है, जिसमें जड़ी-बूटियों के माध्यम से वातावरण शुद्ध करने के लिए बनाया गया है। यही कारण है कि इसकी मांग कोरोना काल के दौरान काफी बढ़ी। लोकल बाजार में यह लोबान कप 60 से 90 रुपये तक साइज के हिसाब से 12 पीस एक पैकेट में बेचे जा रहे हैं। वहीं कोन अगरबत्ती के पैकेट 100 से 120 रुपये तक बेचे जा रहे हैं। यह रचनात्मक उत्पाद है, जिसमें कोन शेप वाली अगरबत्ती को एक छेद के साथ तैयार किया जा रहा है, जो उसी के अनुरूप बनाई जा रहीं मूर्तियों में लगाकर बेचा जा रहा है। यह एक पैकेट एक मूर्ति के साथ 150 रुपये तक बाजार में मिलता है। जब कोन अगरबत्ती को जलाकर मूर्ति के साथ लगाई जाती है, तो उसमें नीचे की ओर निकलता धुआं बहुत सुंदर दिखता है। गोबर के बदले में 25 प्रतिशत माल नगर पालिका को दिया जाता है, उसे परिषद के कार्यालय परिसर में स्टॉल लगाकर बेचा जा रहा है।

भविष्य में गाय के गोबर से लकड़ी और गमले बनाने की योजना

यह निर्माण कार्य स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के 'जीरो वेस्ट विजन' की दिशा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दे रहा है। अगरबत्ती निर्माता अंकित प्रजापति बताते हैं कि गौशाला के गोबर को ज्यादा से ज्यादा खपाकर कमाई का जरिया बनाने के लिए अब नगर पालिका परिषद के अधिकारी और अगरबत्ती उत्पादक मिलकर गोबर से ज्वलनशील लकड़ी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस लकड़ी को भविष्य में श्मशान घाटों, हवन आदि में सामान्य लकड़ियों की जगह इस्तेमाल करने की योजना है। इतना ही नहीं, एक योजना गोबर से गमले बनाने की भी है, जो घरों में तो इस्तेमाल होंगे ही और पौधे के साथ ही मिट्टी में दबाए जा सकेंगे और जमीन के अंदर गमले खुद खाद में तब्दील हो जाएंगे। उत्पादों में गोबर का इस्तेमाल बढ़ेगा, तो यहां काम करने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ेगी। बड़े स्तर पर काम शुरू करने के लिए खुली धूप के लिए बड़ी जगह की जरूरत होगी, जिसके लिए सरकार की ओर से प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

हम सबने ठाना है, स्वच्छ उत्तर प्रदेश बनाना है...

पहला कूड़ाघर काम करना किया शुरू, कचरा से मिलेगी निजात

एमआरएफ सेंटर में कूड़ा गिराकर की जा रही प्लास्टिक की छंटनी

नगर निगम के काउंटरों से बिकने लगे उपले

9140876200 पर दे सकते हैं आर्डर, दो फीट लंबे और तीन इंच चौड़े इन लट्ठों की कीमत पांच रुपये

कोठी मीना बाजार में ट्रक से 134 क्विंटल पॉलीथिन जब्त

नगर निगम की टीम ने की कार्रवाई, ट्रक में लदी थी पॉलीथिन

गंदगी फैलाने में आठ दुकानदारों पर जुर्माना

नगरपालिका के ईओ ने की कार्रवाई

अयोध्या धाम पर शनिवार को दुकानों पर साफ सफाई की जांच करतीं ईओ बीना सिंह। -संवाद

छुट्टी के बाद साफ-सफाई में नगर निगम ने दिखाई तेजी

शहर की गलियों और मुख्य मार्गों से हटवाया कूड़ा, शहरवासियों को मिली राहत

गंदगी फैलाने पर एक दर्जन से अधिक दुकानदारों से 1900 रुपये जुर्माना वसूला

गो संरक्षण संग स्वावलंबन को गति दे रही गोकाष्ठ फैक्ट्री